THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI SANTOSH KUMAR GANGWAR): (a) Petroleum Sector has been delicensed from June, 1998. As a result, now oil companies are free to maintain their installed capacities flexible depending on demand/supply scenario.

(b) The indigenous crude from the Assam Oil Fields is being used by Digboi, Guwahati, Bongaigaon and Barauni Refineries.

(c) and (d) Oil PSUs have been advised to take necessary action to strengthen the security.

(e) The quantity of crude oil imported during the last 3 years were as follows:—

Year	Quantity in MMT
1995-96	27.34
1996-97	33.90
1997-98	34.49 (Provisional)

As per the Oil Economy Budget (R.E.) for 1998-99, the quantity of crude oil likley to be imported is to the tune of 35.226 MMT.

Private Agencies in Oil Fields

1042. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether attention of Government has been drawn to the news-item appearing in the Economic Times dated 13th February, 1999 under the caption "Private oil fields gushing but Government blocks contracts"; and

(b) if so, what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI SANTOSH KUMAR GANGWAR): (a) and (b) Due to certain observations made by the CAG on the award of discovered fields for private participation, the policy is under review.

Foreign investment in Oil Refineries

1043. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to attract more foreign investment in oil refineries; and

(b) if so, what are the salient features of the proposal?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI SANTOSH KUMAR GANGWAR): (a) and (b) Yes, Sir. The present gudelines for issue of LOIs for setting up of the refineries are as under:—

(i) In the refinery sector in Domestic Tariff Area (DTA), refineries where JV with PSUs Foreign Direct Investment (FDI) has been limited to 26% (PSU 26% and balance 48% public equity) and where the JV partner is a private Indian Company, FDI has been limited to 49% of total equity.

(ii) For EOU refineries 100% FDI is permitted.

देश में तेल की खोज

1044. **श्री गोविन्दराम मिरी:** क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के नाम क्या हैं जहां इस समय तेल की खोज की जा रही है;

(ख) क्या संपूर्ण पेट्रोलियम क्षेत्र को पुनर्गठित करने का कोई प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या प्रत्येक महत्वपूर्ण क्षेत्र में तेल की खोज संबंधी प्रयासों में तेजी लाये जाने का विचार है,

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) वे नए क्षेत्र कौन-से हैं जहां पर तेल खोज संबंधी कार्य के शुरू किए जाने की संभावना है; और

(छ) ऐसे तेल क्षेत्रों से वर्ष वार कितने परिमाण में तेल निकाले जाने की संभावना है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोष कुमार गंगवार) (क) एक विवरण संलग्न है **(नीचे देखिए)**

(ख) और (ग) सरकार ने कुछ तेल कंपनियों के पुनर्गठन की आवश्यकता के जांच के उद्देश्य से एक समिति का गठन किया है।

(घ) और (ङ) जो एन जी सी तथा ओ आई एल ने अधिक संख्या के अन्वेषी कूपों तथा के जी कावेरी, कैम्बे, असम तथा बम्बई-अपतटीय बेसिनों में अधिक संख्या में त्रिआयामी भूकंपीय सर्वेक्षण करने के उद्देश्य से अपनी नौवी योजना को नया रूप दिया है

भारत सरकार ने हाल ही में गुजरात-कच्छ अपतट, राजस्थान, कैम्बे अपतट, कृष्णा-गोदावरी (अपतट तथा तटवर्ती) असम तथा त्रिपुरा क्षेत्रों में स्थित 14 अन्वेषण खंडों के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इन क्षेत्रों में अन्वेषण कार्य शीघ्र शुरू होने की संभावना है।

(च) सरकार ने एन०ई०एल०पी० के प्रथम दौर में निम्नलिखित बेसिनों में 48 अन्वेषण खंड प्रस्तुत किए हैं:—

जमीनी: असम-अराकान, बंगाल-पूर्णिया गंगा घाटी, राजस्थान।

अपतटीय: (400 मी० गहराई तक) बंगाल, महानदी, कृष्णा-गोदावरी, पालार, कावेरी, गुजरात-कच्छ, भारत का दक्षिणी छोर, केरल-कोंकण, मुंबई सौराष्ट्र कच्छ।

अपतटीय (गहन जल) 400 मी० से अधिक जल गहराई: कावेरी, पालार, के०जी० महानदी तथा उत्तर-पूर्वी तट।

(छ) इन खंडों की तेल उत्पादन संभाव्यता का निर्धारण हाइड्रोकार्बनों की खोज के बाद ही किया जाएगा।

विवरण

निम्नलिखित क्षेत्रों में अन्वेषण कार्य प्रगति पर है:—

× राजस्थान

× कैम्बे बेसिन जमीनी तथा अपतटीय

× कावेरी बेसन जमीनी तथा अपतटीय

× कृष्णा-गोदावरी बेसिन जमीनी तथा अपतटीय

× बंगाल बेसिन

× ऊपरी असम तथा असम-अराकान फोल्ड पट्टी

× बम्बई अपतटीय बेसिन

× पश्चिम तट अपतटीय का केरल-कोंकण बेसिन

× पश्चिम और पूर्व तट का गहन जल

× हिमालय की तलहटी

× विंध्य तथा सतपुड़ा बेसिन

× गंगा बेसिन

× सौराष्ट्र अपतटीय बेसिन

× गुजरात-कच्छ अपतटीय

Technique for refining Crude Oil in the country

1045. SHRI LAJPAT RAI: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether due to non-availability of proper technique the crude oil produced in the country is sent to other countries;

(b) if so, the details thereof;

(c) the quantum of crude oil of such quality sent to other countries during each of the last three years;

(d) whether Government have taken any action so far, for refining such crude oil in the country; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI SANTOSHH KUMAR GANGWAR): (a) to (c) There was no export of crude oil during the last three years.

(b) and (e) Does not arise.

Deep Sea Drilling of the Godavari-Krishna Coast

1046. SHRI ANANTA SETHI: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether ONGC has undertaken deep sea drilling off the Godwari-Krishna coast;

(b) if so, the result of the drilling till date and cost thereof;

(c) whether it is commercially viable to further exploit that basin at the current prices; and